1/12/25 पत्रावली पेश हुई। वादी अनुपस्थित। रुक-रुक कर बार-बार आवाज लगवाई गई, किन्तु ना ही तो वादी व ना उनके अधिवक्ता उपस्थित आये। अत: वादी का प्रा०पत्र अदम पैरवी व अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसला शुमार होकर नंबर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो।

Jeyendra